आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस विषय पर हुई कार्यशाला

कार्यक्रम में शामिल छात्राएं व शिक्षिकायें।

कानपुर, 29 जून। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग की ओर से आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं हुई विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तथा अकादमिक लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता पीएच.डी. शोधार्थी दीक्षा श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक लेखन की कला एवं तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध पत्र लेखन, पांडुलिपि तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी अकादमिक संप्रेषण तथा उज्ज गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की आवश्यकता एवं वर्तमान शोध परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें नियमित रूप से शोध एवं लेखन गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वैज्ञानिक लेखन कौशल विकसित करने तथा शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर ने बताया कि कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं एम.एससी./पीएच.डी. के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक पांडुलिपि तैयार करने, शोध लेखन तकनीकों एवं प्रभावी अकादमिक संचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त की।

अमर उजाला 30/06/2026

पोल्ट्री कॉन्क्लेव

शहरवासियों के लिए दूसरे राज्यों से मंगवाने पड़ रहे 10 लाख अंडे

मुर्गियां देतीं तीन लाख अंडे, खाते 13 लाख

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नगर के पोल्ट्री फार्म की मुर्गियां रोजाना तीन लाख अंडे दे रही हैं, जबकि प्रतिदिन 13 लाख अंडों की खपत है। मांग पूरी करने के लिए 10 लाख अंडे दूसरे राज्यों से मंगवाए जा रहे हैं। शहर में ही 10 लाख अंडों का उत्पादन करने के लिए लोगों को पोल्ट्री फार्म खोलने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। सोमवार को पोल्ट्री कॉन्क्लेव में अंडों के उत्पादन बढ़ाने की जानकारी दी गई।

पशुपालन विभाग की ओर से मंडलीय गोष्ठी पोल्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सचान ने योजनाओं एवं सब्सिडी नीतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने पोल्ट्री को बड़े उद्योग के रूप में स्थापित करने पर बल दिया। विभागीय

सीएसए में पशु पालन विभाग की ओर से आयोजित पोल्ट्री कॉन्क्लेव में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित करते पदाधिकारी। संवाद

सीएसए में हुए पोल्ट्री कॉन्क्लेव में उत्पादन बढ़ाने दिया गया जोर

अनुमान के मुताबिक बताया गया कि शहर में 13 लाख अंडों की खपत है, लेकिन सिर्फ तीन लाख अंडों का उत्पादन हो रहा है।

लोग योजनाओं का फायदा उठाएं और पोल्ट्री फार्म खोलें, जिससे शहर में ही 13 लाख अंडों का उत्पादन हो। वक्ताओं ने कहा कि प्रोटीन की कमी को अंडों के इस्तेमाल से पूरा किया जा सकता है। पोल्ट्री इंडस्ट्री, पोल्ट्री, विशेषज्ञ, फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों, मंडल के प्रगतिशील किसान, कुक्कुट पालक भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुर्गियो में होने वाली बीमारियों, उन्नत दवाओं, टीकों और उच्च गुणवत्ता वाले फीड सप्लीमेंट्स पर चर्चा की गई। अपर निदेशक डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. ऋचा राठौर, सीवीओ डॉ. अनुराग सिंह आदि मौजूद रहे।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजियाबा

उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट 2026) का परिणाम हुआ जारी

(रहस्य संदेश/अनवर अशरफ)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट 2026) का परिणाम आज जारी कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 12 जनपदों में 17 एवं 18 जून 2026 को प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई थी। जिसमें 17 जून को स्नातक प्रवेश परीक्षा कुल प्रदेश के 27 केंद्रों पर तथा 18 जून को परास्नातक एवं पीएचडी तथा एमबीए की प्रवेश परीक्षा कुल 18 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। जिसका आज परिणाम प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा घोषित किया गया है। इस प्रवेश परीक्षा में कुल 18827 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। जिसमें 90% अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा दी गई,इस प्रवेश परीक्षा में 16349 उपस्थित अभ्यर्थियों में से 14802 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए, जिसमें 73% पुरुष तथा 27 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी हैं। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि स्नातक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली अभ्यर्थी सुश्री कोरम मसंद रही जो कांकर खेड़ा मेरठ की निवासी हैं। द्वितीय स्थान पर सुश्री प्राची द्विवेदी कन्नौज एवं तृतीय स्थान पर मोहम्मद कैफ रामपुर रहे। परास्नातक स्तर पर श्री शिवम यादव बलिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान पर सुश्री आस्था यादव उन्नाव रही। पी एचडी स्तर पर श्री अमन सिंह मऊ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि द्वितीय स्थान श्री अभिषेक गौतम मथुरा रहे। परिणाम घोषणा के अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि श्री रविन्द्र जी, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा के कुलपति डॉ एस.वी.एस. राजू, विशेष सचिव कृषि श्री एलबी यादव जी सहित प्रदेश के समस्त कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

वर्ष : 19
अंक : 64
लखनऊ
मंगलवार
30 जून 2026
पृष्ठ : 8
मूल्यः 2 रूपया

हिन्दी दैनिक
द बैनर

उत्कृष्ठ तकनीकी की सिलाई मशीनों से विभिन्न प्रकार की कढ़ाई एवं सिलाई पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

द बैनर न्यूज

कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा 'उच्च तकनीकी की सिलाई मशीनों से उन्नत सिलाई एवं विभिन्न प्रकार की कढ़ाई पर कार्यशाला एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन गारमेंट कंस्ट्रक्शन लैब में किया जा रहाहै। कार्यक्रम का शुभारम्भ अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर द्वारा फीता काटकर किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वस्त्र एवं परिधान उद्योग तीव्र गति से तकनीकी रूप से विकसित हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को आधुनिक मशीनों का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें।कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रोफेसर डॉ. एकता शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋतु पाण्डेय तथा टीचिंग एसोसिएट डॉ. अंकिता यादव के निर्देशन में किया गया। विद्यार्थियों को आधुनिक एवं उच्च तकनीकी की मशीनों के द्वारा सिलाई एवं कढ़ाई से वस्त्रों को सुसज्जित करने के महत्व से अवगत कराया तथा उन्हें प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में उषा इंटरनेशनल के विशेषज्ञ दीपक निगम द्वारा आधुनिक सिलाई एवं एम्ब्रॉयडरी मशीनों का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जो कि आगामी तीन दिनों तक चलेगा द्य उन्होंने विद्यार्थियों को उषा मार्वेला, एल्योर डीलक्स, वंडर स्टिच, वंडर स्टिच प्लस सिलाई एवं कढ़ाई मशीनों की विशेषताओं, संचालन प्रक्रिया तथा विभिन्न उन्नत कार्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मशीनों पर स्वयं कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया, जिससे उन्होंने विभिन्न प्रकार की सिलाई, सजावटी टांकों , एम्ब्रॉयडरी डिजाइनों तथा मशीनों की स्मार्ट सुविधाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

हिंदुस्तान 30/06/2026

आधुनिक तकनीक से बढ़ेगा कुक्कुट पालन

कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, साथ में अन्य।

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के लाल बहादुर कृषक सभागार में सोमवार को मंडल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव 2026 का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने किया। उन्होंने कहा कि सरकार कुक्कुट पालन को रोजगार एवं आय वृद्धि सशक्त माध्यम बनाने का प्रयास कर रही है। इस क्षेत्र में युवा आगे आएं। क्योंकि, आधुनिक तकनीक व सरकारी योजनाओं से कुक्कुट पालन तेजी से बढ़ेगा। इसमें सब्सिडी भी दी जा रही है।

विवि में कॉन्क्लेव का आयोजन पशुपालन विभाग के अपर निदेशक (ग्रेड-2) डॉ. विजयवीर चंद्रयाल और मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) ऋचा राठौर की अगुवाई में किया गया। विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने भी जानकारी दी।

वर्ष : 19
अंक : 64
लखनऊ
मंगलवार
30 जून 2026
पृष्ठ : 8
मूल्य: 2 रूपया

हिन्दी दैनिक
द बैनर

सीएसए में 'आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस' विषय पर कार्यशाला

द बैनर न्यूज

कानपुर देहात। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा 'आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तथा अकादमिक लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।कार्यशाला की मुख्य वक्ता पीएच.डी. शोधार्थी दीक्षा श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक लेखन की कला एवं तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध पत्र लेखन, पांडुलिपि तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी अकादमिक संप्रेषण तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की आवश्यकता एवं वर्तमान शोध परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें नियमित रूप से शोध एवं लेखन गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह भी उपस्थित रहीं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 354 कानपुर, मंगलवार 30 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

कैबिनेट मंत्री ने किया मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव - 2026 का भव्य शुभारंभ

कानपुर । पशुपालन विभाग मण्डल के अपर निदेशक ग्रेड- II डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. ऋचा राठौर के नेतृत्व में सोमवार को सीएसए के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में %मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026% का भव्य आयोजन किया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।कॉन्क्लेव की विशेषता यह रही कि पहली बार पोल्ट्री उद्योग से जुड़े अग्रणी उद्यमियों, विशेषज्ञों एवं प्रमुख फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने एक साझा मंच पर सहभागिता करते हुए किसानों और पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ तकनीकी संवाद स्थापित किया। मुख्य अतिथि राकेश सचान ने कहा कि प्रदेश सरकार कुक्कुट पालन को रोजगार एवं आय वृद्धि का सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदान एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए अधिकाधिक युवाओं एवं किसानों से इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान

किया।विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को जैव-सुरक्षा उपायों, हैचरी प्रबंधन, आधुनिक पोल्ट्री तकनीकों तथा वैज्ञानिक पद्धति से कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान आधुनिक कुक्कुट पालन, उत्पादन वृद्धि तथा उद्योग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई। तकनीकी सत्र में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों, पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों एवं फार्मा कंपनियों के विशेषज्ञों ने मुर्गियों में होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम, उन्नत दवाओं एवं टीकों के उपयोग, गुणवत्तापूर्ण फीड सप्लीमेंट्स तथा आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी ने बैकयार्ड पोल्ट्री को ग्रामीण आजीविका एवं स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताते हुए बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण एवं अनुदान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों, पशु चिकित्सकों, फार्मा कंपनियों एवं पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से आए किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य विभागीय तकनीकी विशेषज्ञता, वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्योग जगत के सहयोग से कानपुर मण्डल में कुक्कुट पालन को नई गति प्रदान करना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर, संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर, अपर निदेशक ग्रेड-1 (पोल्ट्री), लखनऊ, मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, पोल्ट्री उद्यमी तथा कुक्कुट पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक प्रशिक्षु एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 17 अंक : 354 कानपुर, मंगलवार 30 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस विषय पर हुई कार्यशाला

कानपुर। सीएसए के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा 卐आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस卐

विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तथा अकादमिक लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया।कार्यशाला की मुख्य वक्ता पीएच.डी. शोधार्थी दीक्षा श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक लेखन की कला एवं तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध पत्र लेखन, पांडुलिपि तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी अकादमिक संप्रेषण तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की आवश्यकता एवं वर्तमान शोध परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें नियमित रूप से शोध एवं लेखन गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वैज्ञानिक लेखन कौशल विकसित करने तथा शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं एम.एससी./पीएच.डी. के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक पांडुलिपि तैयार करने, शोध लेखन तकनीकों एवं प्रभावी अकादमिक संचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

वर्ष : 19 अंक : 161 लखनऊ मंगलवार, 30 जून 2026 पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

कुक्कुट पालन रोजगार का सशक्त माध्यम

कानपुर मण्डल में भव्य 'मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव–2026' का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। पशुपालन विभाग, कानपुर मण्डल द्वारा अपर निदेशक ग्रेड-॥ डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. ऋचा राठौर के नेतृत्व में सोमवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में 'मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर, संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर, अपर निदेशक ग्रेड-1 (पोल्ट्री), लखनऊ, मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, पोल्ट्री उद्यमी तथा कुक्कुट पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक प्रशिक्षु एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कॉन्क्लेव की विशेषता यह रही कि पहली बार पोल्ट्री उद्योग से जुड़े अग्रणी उद्यमियों, विशेषज्ञों एवं प्रमुख फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने एक साझा मंच पर सहभागिता करते हुए किसानों और पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ तकनीकी संवाद स्थापित किया। इस दौरान आधुनिक कुक्कुट पालन, उत्पादन वृद्धि तथा उद्योग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई।

तकनीकी सत्र में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों, पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों एवं फार्मा कंपनियों के विशेषज्ञों ने मुर्गियों में होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम, उन्नत दवाओं एवं टीकों के उपयोग, गुणवत्तापूर्ण फीड सप्लीमेंट्स तथा आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैकयार्ड पोल्ट्री को ग्रामीण आजीविका एवं स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताते हुए बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण एवं अनुदान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल दिया।

मुख्य अतिथि राकेश सचान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार कुक्कुट पालन को रोजगार एवं आय वृद्धि का सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदान एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए अधिकाधिक युवाओं एवं किसानों से इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को जैव-सुरक्षा उपायों, हैचरी प्रबंधन, आधुनिक पोल्ट्री तकनीकों तथा वैज्ञानिक पद्धति से कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी।

हिंदुस्तान 30/06/2026

कैटेट में कीरत को प्रथम व प्राची को दूसरा स्थान मिला

रिजल्ट

- बांदा कृषि विश्वविद्यालय ने आयोजित की थी प्रवेश परीक्षा
- कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सफल अभ्यर्थियों को दी बधाई

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। बांदा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए गए यूपीसीएटीईटी-2026 का परीक्षा परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया है। इसमें कंकरखेड़ा, मेरठ की कीरत मसंद ने स्नातक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि कन्नौज की प्राची द्विवेदी द्वितीय स्थान पर तथा रामपुर के मोहम्मद कैफ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार से परास्नातक स्तर पर बलिया के शिवम यादव ने प्रथम तथा उन्नाव की आस्था यादव ने द्वितीय स्थान हासिल किया है। वहीं पीएचडी स्तर पर मऊ के अमन सिंह, प्रथम स्थान पर तथा मथुरा के अभिषेक गौतम द्वितीय स्थान पर रहे।

परीक्षा परिणाम कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के हाथों उनके विधान भवन स्थित कार्यालय में बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की मौजूदगी में जारी किया गया। कृषि मंत्री ने परीक्षा में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। शाही ने इस दौरान पूरी शुचिता और पारदर्शी तरीके से परीक्षा का कुशल संचालन करने तथा समयबद्ध ढंग से परीक्षा परिणाम जारी करने के लिए बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति एसवीएस राजू और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। इस वर्ष यूपीसीएटीईटी (कृषि विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा का आयोजन बांदा कृषि विश्वविद्यालय, द्वारा सम्पन्न कराया गया।

16 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे थे

इस बार प्रवेश परीक्षा प्रदेश के कुल 12 जिलों में बीते 17 एवं 18 जून को आयोजित की गई थी। इसमें 17 जून को आयोजित हुई स्नातक (यूजी) प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 27 केंद्र तथा 18 जून को आयोजित हुई परास्नातक (पीजी), पीएचडी एवं एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 18 केंद्र बनाए गए थे। इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा के सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा के लिए कुल 18,827 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 90 प्रतिशत यानी कुल 16,349 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठे।

यूपी कैटेट-2026 का परिणाम घोषित, प्रथम स्थान पर कोरम मसंद रहीं

दूसरे स्थान पर प्रांच द्विवेदी, तीसरे स्थान पर मो. कैफ रहे

कानपुर, 29 जून। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि प्रवेश परीक्षा (यूपी कैटेट 2026) का परिणाम आज जारी कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश के कुल 12 जनपदों में 17 एवं 18 जून 2026 को प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई थी। सोमवार को यूपी कैटेट-2026 का परिणाम प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने घोषित कर दिया। घोषित परिणाम के अनुसार स्नातक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कोरम मसंद रही, जो कांकर खेड़ा मेरठ की निवासी हैं। द्वितीय स्थान पर छात्रा प्राची द्विवेदी (कन्नौज) एवं तृतीय स्थान पर मो. कैफ (रामपुर) रहे। परास्नातक स्तर पर शिवम यादव (बलिया) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। द्वितीय स्थान पर छात्रा आस्था यादव (उन्नाव) रही। पीएचडी स्तर पर छात्र अमन सिंह (मऊ) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है जबकि द्वितीय स्थान छात्र अभिषेक गौतम (मथुरा) रहे। परिणाम घोषणा के अवसर पर प्रमुख सचिव कृषि रविन्द्र, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय बांदा के कुलपति डॉ एस.वी.एस. राजू, विशेष सचिव कृषि एलबी यादव सहित प्रदेश के समस्त कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

सीएसए के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने बताया कि विगत 17 जून को स्नातक प्रवेश परीक्षा कुल प्रदेश के 27 केंद्रों पर तथा 18 जून को परास्नातक एवं पीएचडी तथा एमबीए की प्रवेश परीक्षा कुल 18 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इस प्रवेश परीक्षा में कुल 18827 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए थे। जिसमें 90 प्रतिशत अभ्यर्थियों द्वारा परीक्षा दी गई। इस प्रवेश परीक्षा में 16349 उपस्थित अभ्यर्थियों में से 14802 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए, जिसमें 73 प्रतिशत पुरुष तथा 27 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी हैं।

रहस्य संदेश

पृष्ठ : 4 मूल्य : 2.00 रुपये मात्र एटा कासगंज अलीगढ़ लखनऊ गाजियाबा

सीएसए में "आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस

अनवर | विषय पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा "आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तथा अकादमिक लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता पीएच.डी. शोधार्थी दीक्षा श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक लेखन की कला एवं तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध पत्र लेखन, पांडुलिपि तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी अकादमिक संप्रेषण तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की आवश्यकता एवं वर्तमान शोध परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें नियमित रूप से शोध एवं लेखन गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वैज्ञानिक लेखन कौशल विकसित करने तथा शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं एम.एससी./पीएच.डी. के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक पांडुलिपि तैयार करने, शोध लेखन तकनीकों एवं प्रभावी अकादमिक संचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।

अमर उजाला 30/06/2026

स्नातक में कीरथ मसंद, परास्नातक में शिवम और पीएचडी में अमन प्रथम

यूपी संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीसीएटीईटी)-2026 का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया है। स्नातक में मेरठ की कीरथ मसंद, परास्नातक में बलिया के शिवम यादव और पीएचडी में मऊ के अमन सिंह प्रथम स्थान पर रहे।

कृषि मंत्री ने जारी किया यूपीसीएटीईटी का परिणाम।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विधानसभा स्थित कार्यालय में परीक्षा आयोजक बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की उपस्थिति में परिणाम जारी किया। उन्होंने बताया कि स्नातक (यूजी) स्तर पर कंकरखेड़ा मेरठ की कीरथ मसंद ने प्रथम स्थान, कन्नौज की प्राची द्विवेदी ने द्वितीय और रामपुर के मोहम्मद कैफ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, परास्नातक (पीजी) स्तर पर बलिया के शिवम यादव प्रथम, उन्नाव की आस्था यादव दूसरे स्थान पर रहीं। पीएचडी में मऊ के अमन सिंह ने प्रथम स्थान और मथुरा के अभिषेक गौतम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

यूजी में कन्नौज की प्राची व पीजी में उन्नाव की आस्था दूसरे स्थान पर

इस वर्ष यूपीसीएटीईटी-2026 का आयोजन कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय बांदा द्वारा कराया गया। इस बार प्रवेश परीक्षा प्रदेश के कुल 12 जिलों में 17-18 जून को आयोजित की गयी थी। कुल 14802 अभ्यर्थियों ने सफलतापूर्वक परीक्षा क्वालीफाई की है। ब्यूरो

दैनिक
आज का कानपुर
कानपुर से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौदहा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

आव
सू
किसी भी
विवाद क
कानपुर न
प्रधान
अनस

कानपुर मंडल में भव्य मंडल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव 2026' का हुआ आयोजन

कुक्कुट पालन को आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक नवाचार और सरकारी योजनाओं से मिलेगी नई दिशा : राकेश कुमार सचान

आज का कानपुर

कानपुर । पशुपालन विभाग, कानपुर मण्डल द्वारा अपर निदेशक ग्रेड-II डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल एवं मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डॉ. ऋचा राठौर के नेतृत्व में सोमवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में 'मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026' का भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश कुमार सचान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया इस अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति, मुख्य विकास अधिकारी कानपुर नगर, संयुक्त विकास आयुक्त कानपुर, अपर निदेशक ग्रेड-1 (पोल्ट्री), लखनऊ, मंडल के सभी जनपदों के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, पोल्ट्री उद्यमी तथा कुक्कुट पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक प्रशिक्षु एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कॉन्क्लेव की विशेषता यह रही कि पहली बार पोल्ट्री उद्योग से जुड़े अग्रणी उद्यमियों, विशेषज्ञों एवं प्रमुख फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने एक साझा मंच पर सहभागिता करते हुए किसानों और पशुपालन विभाग के अधिकारियों के साथ तकनीकी संवाद स्थापित किया इस दौरान आधुनिक कुक्कुट पालन, उत्पादन वृद्धि तथा उद्योग की संभावनाओं पर व्यापक चर्चा हुई तकनीकी सत्र में पशुपालन विभाग के विशेषज्ञों, पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों एवं फार्मा कंपनियों के विशेषज्ञों ने मुर्गियों में होने वाले प्रमुख रोगों की रोकथाम, उन्नत दवाओं एवं टीकों के उपयोग, गुणवत्तापूर्ण फीड सप्लीमेंट्स तथा आधुनिक प्रबंधन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी विशेषज्ञों ने कहा कि वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाकर किसान कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं मुख्य विकास अधिकारी ने बैकयार्ड पोल्ट्री को ग्रामीण आजीविका एवं स्वरोजगार का प्रभावी माध्यम बताते हुए बैंकिंग संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर ऋण एवं अनुदान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर बल दिया मुख्य अतिथि राकेश कुमार सचान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश सरकार कुक्कुट पालन को रोजगार एवं आय वृद्धि का सशक्त माध्यम बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है उन्होंने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदान एवं सब्सिडी की जानकारी देते हुए अधिकाधिक युवाओं एवं किसानों से इस क्षेत्र में आगे आने का आह्वान किया विश्वविद्यालय के कुलपति एवं वैज्ञानिकों ने किसानों को जैव-सुरक्षा उपायों, हैचरी प्रबंधन, आधुनिक पोल्ट्री तकनीकों तथा वैज्ञानिक पद्धति से कुक्कुट पालन के विभिन्न पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी कार्यक्रम के अंत में डॉ. विजयवीर चन्द्रयाल ने सभी अतिथियों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, मुख्य पशु चिकित्साधिकारियों, पशु चिकित्सकों, फार्मा कंपनियों एवं पोल्ट्री उद्योग के प्रतिनिधियों तथा दूर-दराज से आए किसानों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य विभागीय तकनीकी विशेषज्ञता, वैज्ञानिक अनुसंधान और उद्योग जगत के सहयोग से कानपुर मण्डल में कुक्कुट पालन को नई गति प्रदान करना तथा किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 17 अंक : 354 कानपुर, मंगलवार 30 जून 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सिलाई मशीनों से विभिन्न प्रकार की कढ़ाई एवं सिलाई पर कार्यशाला

कानपुर । सीएसए के वस्त्र एवं परिधान विभाग द्वारा 卐उच्च तकनीकी की सिलाई मशीनों से उन्नत सिलाई एवं विभिन्न प्रकार की कढ़ाई पर कार्यशाला एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण का आयोजन गारमेंट कंस्ट्रक्शन लैब में किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारम्भ अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर द्वारा फीता काटकर किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में वस्त्र एवं परिधान उद्योग तीव्र गति से तकनीकी रूप से विकसित हो रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को आधुनिक मशीनों का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे वे उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार कर सकें।कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी डॉ. अर्चना सिंह, प्रोफेसर डॉ. एकता शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. ऋतु पाण्डेय तथा टीचिंग एसोसिएट डॉ. अंकिता यादव के निर्देशन में किया गया। विद्यार्थियों को आधुनिक एवं उच्च तकनीकी की मशीनों के द्वारा सिलाई एवं कढ़ाई से वस्त्रों को सुसज्जित करने के महत्व से अवगत कराया तथा उन्हें प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में उषा इंटरनेशनल के विशेषज्ञ श्री दीपक निगम द्वारा आधुनिक सिलाई एवं एम्ब्रॉयडरी मशीनों का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है जो कि आगामी तीन दिनों तक चलेगा द्य उन्होंने विद्यार्थियों को उषा मार्वेला, एल्योर डीलक्स, वंडर स्टिच, वंडर स्टिच प्लस सिलाई एवं कढ़ाई मशीनों की विशेषताओं, संचालन प्रक्रिया तथा विभिन्न उन्नत कार्यों की जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को मशीनों पर स्वयं कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया, जिससे उन्होंने विभिन्न प्रकार की सिलाई, सजावटी टांकों , एम्ब्रॉयडरी डिजाइनों तथा मशीनों की स्मार्ट सुविधाओं का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों को डिजिटल नियंत्रण प्रणाली, ऑटो थ्रेड कटर, नीडल अप/डाउन सुविधा, विविध प्रकार के स्टिच पैटर्न तथा एम्ब्रॉयडरी डिजाइनों के उपयोग संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही उन्हें आधुनिक परिधान निर्माण में इन मशीनों की उपयोगिता एवं उद्योग में उनकी बढ़ती मांग के बारे में भी अवगत कराया गया।तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उन्नत सिलाई एवं कढ़ाई तकनीकों से परिचित कराना, उनकी तकनीकी दक्षता में वृद्धि करना तथा उन्हें उद्योगोन्मुखी कौशल प्रदान करना था।

कुक्कुट पालन क्षेत्र में विकास के साथ बढ़े रोजगार के अवसर

सीएसए में मण्डल स्तरीय एक दिवसीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

कानपुर, 29 जून। चद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्यौगिक विश्वविद्यालय परिसर स्थित लाल बहादुर शास्त्री कृषक सभागार में एक दिवसीय मण्डल स्तरीय पोल्ट्री कॉन्क्लेव 2026 का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने फीता काट कर किया। उन्होंने कहाकि खेती-बाड़ी के साथ पशुपालन और पोल्ट्री फार्म जैसी लघु व्यवसाय से किसानों की आय में दोगुनी वृद्धि होती है। कुक्कुट पालन क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं सब्सिडी नीतियों पर प्रकाश डाला। आज मंडल के सैकड़ों प्रगतिशील किसानों और कुक्कुट पालकों का एक साझा मंच पर समागमन हुआ। पोल्ट्री कन्क्लेव के जरिए विशेषज्ञों ने किसानों की आय वृद्धि के साथ तकनीकी प्रशिक्षण पर बल दिया, ताकि पोल्ट्री इण्डस्ट्री को बल मिलने के साथ बेहतर उत्पादकता मिल सके। सीडीओ अभिनव जैन ने कहाकि जनपद और मण्डल स्तर पर बैकयार्ड पोल्ट्री और स्वरोजगार से जुड़ी ग्रामीण विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने और बैंकों से समन्वय पर ऋण व अनुदान की प्रक्रिया को सरल बनाने पर जोर दिया। सीएसए के कुलपति डा. संजीव गुप्ता ने कहाकि वैज्ञानिकों और फार्मा विशेषज्ञों की ओर से किसानों को आधुनिक जैव-सुरक्षा उपायो, हैचरी प्रबंधन और आधुनिक पोल्ट्री तकनीकों के बारे में जागरुक किया। तकनीकी सत्रों में मुर्गियों में होने वाली समसायिक बीमारियों, उन्नता दवाओं, टीकों और उच्च गुणवत्ता वाले फीड सप्लीमेंट्स पर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान पशुपालन विभाग, कानपुर मण्डल के अपर निदेशक डा. विजयवीर चंद्रयाल, मुख्य तकनीकी अधिकारी (कुक्कुट) डा. ऋचा राठौर आदि मौजूद रहे।

पोल्ट्री कॉन्क्लेव का फीता काटकर उद्घाटन करते कैबिनेट मंत्री राकेश सचान।

वर्ष : 19 अंक : 161 लखनऊ मंगलवार, 30 जून 2026 पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

शोध व लेखन में नियमित सहभागिता जरूरी

विश्ववार्ता संवाददाता

'आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस' विषयक कार्यशाला

कानपुर। सीएसए के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विस्तार शिक्षा एवं संचार प्रबंधन विभाग द्वारा ₹आर्ट एंड साइंस ऑफ साइंटिफिक राइटिंग फॉर कम्युनिटी साइंस₹ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. सीमा सोनकर के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. विनीता सिंह के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन के महत्व, गुणवत्तापूर्ण शोध प्रकाशन तथा अकादमिक लेखन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्हें शोध कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कार्यशाला की मुख्य वक्ता पीएच.डी. शोधार्थी दीक्षा श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक लेखन की कला एवं तकनीकों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने शोध पत्र लेखन, पांडुलिपि तैयार करने की प्रक्रिया, प्रभावी अकादमिक संप्रेषण तथा उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशनों के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों को व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर डॉ. संघमित्रा ने भी विद्यार्थियों को वैज्ञानिक लेखन की आवश्यकता एवं वर्तमान शोध परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता के विषय में विस्तृत जानकारी दी तथा उन्हें नियमित रूप से शोध एवं लेखन गतिविधियों में सहभागिता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभाग की शिक्षिकाएँ डॉ. संगीता गुप्ता, डॉ. जया वर्मा एवं डॉ. ऐश्वर्या सिंह भी उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए वैज्ञानिक लेखन कौशल विकसित करने तथा शोध गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण, शोधार्थियों एवं एम.एससी./पीएच.डी. के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने वैज्ञानिक पांडुलिपि तैयार करने, शोध लेखन तकनीकों एवं प्रभावी अकादमिक संचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों ने ऐसे ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया।